ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 27 | जुलाई-I-2025 | अंक - 07 | माउण्ट आबू | Rs.-12

ब्रह्माकुमारीज़ में चार दिवसीय अखिल भारतीय साधु-संत महासम्मेलन में देशभर से पहुंचे 300 से अधिक संत

दुःख से मुक्त होना चाहते हैं तो अपनी बुराइयों को त्यागें: कमल किशोर

आबू रोड-शान्तिवन(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के आनन्द सरोवर परिसर के दिव्य अनुभति हॉल में चार दिवसीय अखिल भारतीय साधु-संत सम्मेलन में 'परमपिता परमात्मा शिव अब पुनः प्रजापिता ब्रह्मा के माध्यम से गीता ज्ञान सुना रहे हैं' इस विषय पर आयोजित महासम्मेलन में देशभर से 300 से अधिक साधु-संत और महात्मा भाग लेने पहुंचे।

महामंडलेश्वर आचार्य संत कमल किशोर महाराज,सहारनपुर ने कहा कि परमात्मा एक शक्ति है, परमात्मा एक ऊर्जा है। वह जब इस धरती पर आये तो ब्रह्मा तन का आधार लेकर सृजन का कार्य किया। जो सृजन करता है उसे ब्रह्मा कहा जाता है। उन्होंने कहा कि मैंने ब्रह्माकुमारीज़ में सीखा है कि यहां कुछ त्यागना है तो बुराई को त्याग कर जाओ। मैं यहां पहली बार 1995 में आया था। एक दान पेटी रखी थी, लिखा था कोई बुराई का दान करो। मैंने क्रोध लिख कर डाल दिया, तब से आज तक कभी क्रोध नहीं किया है। महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज,मथुरा ने कहा ओम शान्ति सनातन धर्म का आधार है। ज्ञान और भक्ति का उद्देश्य आनन्द की प्राप्ति है। महामंडलेश्वर स्वामी दिनेशानंद भारती महाराज,रुड़की ने कहा कि जन्म और मृत्यु के बीच जो है वह जीवन है। यही ब्रह्माकुमारीज़ में सिखाया जाता है कि मैं कौन हूँ। महामंडलेश्वर स्वामी अखलानन्द अक्रिय महाराज,हरिद्वार, महामंडलेश्वर स्वामी स्वतंत्रानंद गिरी,ऋषिकेश ने भी अपने विचार व्यक्त किए। अतिरिक्त महासचिव डॉ. ब्र.कु. मृत्युंजय ने कहा कि परमात्मा राजयोग की शिक्षा देकर सकारात्मक परिवर्तन कर रहे हैं। ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि पवित्रता के बल से ही राम राज्य की स्थापना होगी। राजयोगिनी ब्र.कु. उषा दीदी ने गीता के भगवान तथा उनके आने के समय के बारे में बताया। धार्मिक प्रभाग की अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. मनोरमा दीदी ने भी अपने विचार रखे। मधुर वाणी ग्रुप के कलाकारों ने स्वागत गीत पेश किया।

परमात्मा स्वयंभू अवतरित होकर भारत में दैवी साम्राज्य स्थापन कर रहेः दीदी

संस्थान की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने कहा कि यह सृष्टि चक्र के परिवर्तन की वेला है। इसी समय स्वयंभू निराकार ज्योति स्वरूप परमात्मा शिव धरा पर अवतरित होते हैं और पुनः नया दैवी स्वराज्य सतयुग स्थापन करते हैं। हम सभी उनके बच्चे भी निराकार ज्योति बिन्दु आपस में भाई-भाई हैं। परमात्मा का संदेश है कि अपने को निराकार ज्योति बिन्दु आत्मा समझो और मुझे याद करो तो पतित से पावन बन जायेंगे। समय की पुकार - पवित्र बनो, परमात्मा से योग लगाकर जीवन को पावन बनाओ। ये आत्मा और परमात्मा के मिलन की पावन संगम वेला है और पुनः भारत में दैवी साम्राज्य आने वाला है जिस दुनिया में सभी आत्माएं देवतुल्य होंगे।

ज्ञान सरोवर में चार दिवसीय न्यायविदों के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन

बेहतर समाज के निर्माण में न्यायविदों की अहम् भूमिका: जस्टिस रेड्डी

ब्र.कु. शिवानी ने कहा कि कर्मसिद्धान्त को समझने के लिए मन को शुद्ध और शक्तिशाली बनाना आवश्यक है। हमारा भाग्य हमारे कर्मों पर निर्भर करता है। हमारी सोच से अच्छे या बुरे कर्म निर्धारित होते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सोच, बोल और कर्म का प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। इसलिए हमें अपने मन में केवल शुद्ध और पवित्र विचारों को स्थान देना चाहिए। उन्होंने पवित्रता को आत्मा का सर्वश्रेष्ठ खज़ाना बताया। स्वास्थ्य को बेहतर रखने के लिए उन्होंने दैनिक जीवन में मेडिटेशन को शामिल करने की सलाह दी। दूसरों की सफलता से ईर्ष्या करने से तनाव और चिंता पैदा होती है। दूसरों को सुख देने से अपना जीवन सुखमय बनता है।

माउंट आबू-ज्ञान सरोवर(राज.)। ब्रह्माकुमारीज़ के ज्ञान सरोवर अकादमी परिसर में न्यायविद प्रभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में तेलंगाना के लोकायुक्त जस्टिस ए. राजशेखर रेड्डी ने कहा कि भारतीय जनमानस में न्याय व्यवस्था के प्रति सदैव सम्मान रहा है। उन्होंने कहा कि मानवाधिकारों की रक्षा के लिए न्याय व्यवस्था को मूल्यनिष्ठ बनाने में न्यायविदों का दायित्व बढ़ा है। ओडिशा हाईकोर्ट के जस्टिस गौरी शंकर ने न्याय प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए न्यायविदों को अध्यात्म से जुड़ने का निवेदन किया। ब्रह्माकुमारीज़ संगठन की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. सुदेश दीदी ने कहा कि आध्यात्मिकता से बिगड़ते सामाजिक ढांचे को सुव्यवस्थित किया जा सकता है। ओडिशा रियल एस्टेट अपीलीय न्यायाधिकरण अध्यक्ष जस्टिस प्रमाथ पटनायक ने राजयोग की महत्ता बताई। प्रभाग अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी ने समाज में बढ़ते अपराधों पर चिंता व्यक्त की। केन्द्रीय श्रम व रोजगार मंत्रालय सदस्य हितेन्द्र मेहता ने राजयोग के अभ्यास से जीवन में सकारात्मक बदलाव की बात कही। कार्यक्रम में उपस्थित रहे तेलंगाना हैदराबाद प्रिंसीपल डिस्ट्रिक्ट जज एम.वी. रमेश, प्रभाग उपाध्यक्ष पूर्व जस्टिस बीडी राठी, राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. लता आदि।

बाइक सवारों ने रैली के माध्यम से गांव-गांव में तम्बाकू मुक्ति का दिया संदेश

आबूरोड-शान्तिवन(राज.)। तम्बाकू हर उम्र के लोगों के लिए घातक है। चाहे बच्चा हो या बूढ़ा यह हर किसी के जीवन में ज़हर घोल रहा है। उक्त उद्गार ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के मेडिकल प्रभाग द्वारा रैली के शुभारम्भ पर राजयोगी ब्र.कु. करुणा ने कहे। उन्होंने आगे कहा कि तम्बाकू मन और आत्मा दोनों को नुकसान पहुंचाता है। हमें किसी भी स्तर पर अपने जीवन में तम्बाकू को नहीं आने देना चाहिए। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान का मेडिकल प्रभाग इसके लिए लगातार प्रयास कर रहा है। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के साथ एमओयू किया है। इससे पूरे देश भर में अभियान चलाया जा रहा है। मेडिकल प्रभाग के सचिव ब्र.कु. डॉ. बनारसी ने कहा कि आज ज़्यादातार लोग इससे होने वाले नुकसान के बारे में लोगों को जानकारी नहीं है। इसलिए रैली का आयोजन किया गया जिससे गांवों में जाकर सैकड़ों लोगों को नशे के प्रति जागरूकता पैदा कर सचेत किया जाए। तम्बाकू मुक्ति दिवस पर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के लिए शान्तिवन से संस्थान के 200 सदस्यों ने बाइक रैली निकाली जो आमथला, मुदरला, नागपुरा, अचपुरा गांवों से होते हुए किवरली स्थित मानसरोवर में समाप्त हो गई। तम्बाकू रैली में विज्ञान एवं अभियंता प्रभाग के अध्यक्ष राजयोगी ब्र.कु. मोहन सिंघल, ब्र.कु. कोमल, ब्र.कु. सत्येन्द्र, ब्र.कु. अमरदीप, ब्र.कु. भानू आदि की उपस्थिति रही।

मांउट आबू-ग्लोबल हॉस्पिटल(राज.)। विश्व तम्बाकू मुक्ति दिवस पर ग्लोबल अस्पताल द्वारा आयोजित जनजागृति रैली सी.आर.पी.एफ. और आंतरिक सुरक्षा अकादमी के निदेशक, पुलिस महानिरीक्षक डीएल गोला ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पुलिस महानिरीक्षक ने कहा कि नशा केवल शारीरिक स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता है, बल्कि पारिवारिक रिश्तों को भी नुकसान पहुंचाता है। ग्लोबल अस्पताल के निदेशक डॉ. प्रताप मिड्ढा ने युवाओं में बढ़ते नशे की लत पर चिंता व्यक्त की। मुख्य परिचारिका रूपा उपाध्याय ने नशे से होने वाली बीमारियों की जानकारी दी। मादक पदार्थों के सेवन से फेफड़े, होंठ, जीभ और गले का कैंसर, टीबी, हृदय रोग, पेट का अल्सर हो सकता है। रैली ग्लोबल अस्पताल से शुरू होकर विभिन्न मार्गों से होते हुए आध्यात्मिक संग्रहालय पर समाप्त हुई। कार्यक्रम में डॉ. बिन्नी सरीन, कर्नल आरएम सिंह, स्काउट सीओ जितेन्द्र भाटी मौजूद थे।